





# नये साल पर पिकनिक का है प्लान तो चले आईये केसपा, पूजा-पाठ के साथ ले पर्यटन का मजा

## हिंदू और हौद्ध धमाल्बियों का केंद्र रहा है केसपा

राष्ट्रीय खबर

**गया :** गया जिले के गिनेचुने ऐतिहासिक धार्मिक स्थलों में से एक दिक्कारी अनुमंडल से 11 किलोमीटर उत्तर दिशा में केसपा गांव में स्थित मां तारा देवी मंदिर भी है, जहां आप नव वर्ष पर अपने परिवार एवं मित्र के संग धार्मिक स्थल के साथ पिकनिक का भी आनंद उठाना सकते हैं। तारा देवी मंदिर अपने आप में इस कदर का इतिहास व पुरातत को समर्पण हुए हैं जहां एक ही स्थल पर अध्यात्मिकता, पुरातनता, ऐतिहासिक परंपराएँ की अनुभूति होती है। वहां पूजा अर्चना करने के लिए दूरदराज से श्रद्धालु आते हैं। नव वर्ष-2024 के आमने को लेकर पूरी दुनिया में तैयारियां चल रही हैं। सभी जाति-धर्म के मंदिर तक जाने वाली सड़क के लोग नव वर्ष को आनंद-अपने तरीके के मनाते हैं। विंगत कई तारा नगरी केसपा पर्यटकों के केंद्र रहा है। मां तारा देवी मंदिर के अलावा लोग चमकारी हवन कुंड, सोरवहिया जी, भगवान गोपन बुद्ध की आदमकद प्रतिमा, गरुड़ पर सवार भगवान विष्णु की दुर्लभ प्रतिमा, भगवान सूर्य की प्रतिमा, बुद्ध पदचिह्न एवं पत्थर से बनी कमल का फूल का दर्शन करने आया करते हैं। कई बार इस गांव में विशेष पर्यटक भी भ्रमण करने आया करते हैं।



धमाल्बियों का केंद्र रहा है। ग्रामीण हिमांशु शेखर ने कहा है कि

मां तारा देवी मंदिर के अलावा लोग चमकारी हवन कुंड, सोरवहिया जी, भगवान गोपन बुद्ध की आदमकद प्रतिमा, गरुड़ पर सवार भगवान विष्णु की दुर्लभ प्रतिमा, भगवान सूर्य की प्रतिमा, बुद्ध पदचिह्न एवं पत्थर से बनी कमल का फूल का दर्शन करने आया करते हैं। कई बार इस गांव में विशेष पर्यटक भी भ्रमण करने आया करते हैं।

तारा नगरी केसपा पर्यटकों के केंद्र रहा है। नव वर्ष को लेकर पर्यटकों के स्वागत के लिए केसपा गांव पूरी तरह से तैयार हो गया है, एवं मंदिर परिसर की भव्यता लोगों को अपनी ओर आकर्षित चुका है। मुख्य मार्ग से लोक आस्था का महाकेंद्र मां तारा देवी मंदिर तक जाने वाली सड़क के लोग नव वर्ष को आनंद-अपने तरीके के मनाते हैं। विंगत कई तारा नगरी केसपा पर्यटकों के केंद्र रहा है। ग्रामीण युवाओं ने गांव की सभी गलियों की साफ - सफाई किया है, एवं मंदिर परिसर की भव्यता लोगों को अपनी ओर आकर्षित करती है।

















